पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.04.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के
39 वें स्थापना दिवस पर
भव्य संगीत संध्या
पं.दिनेश पथिक द्वारा
शनिवार, 3 जून 2017, शाम 6 बजे
आर्य समाज,कबीर बस्ती, दिल्ली–7
प्रीति भोज रात्री 8 बजे
आप सादर आमन्त्रित हैं

वर्ष-33 अंक-20 चैत्र-2074 दयानन्दाब्द 193 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2017 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.04.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के 86वें बलिदान दिवस पर जन्तर मन्तर पर किया ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ''

आंतकवादियों व उनके संरक्षकों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी जाय–आर्य नेता अनिल आर्य

कड़कती धूप में सड़कों पर निकले आर्य समाजी– नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर शहीद दिवस के अवसर पर प्रदर्शन करते उत्साही आर्य जन, डा.योगानन्द शास्त्री,डा.अनिल आर्य आदि सम्बोधित करते हुए।

नई दिल्ली। वीरवार, 23 मार्च 2017,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में ''जन्तर मन्तर'' पर अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के 86वें बलिदान दिवस पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य के नेतृत्व में ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ व आंतकवाद विरोधी दिवस'' का आयोजन कर स्वतन्त्रता सग्रांम के महान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सैकड़ो आर्य समाजियों ने पहुॅच कर देश की एकता व अखण्डता की रक्षा का संकल्प लिया। यज्ञ की ब्रह्मा श्रीमती सुनीता बुग्गा ने ''राष्ट्र की रक्षा'' के लिये आहुतियां डलवाई। इस अवसर पर भारतीय नव वर्श विक्रमी सम्वत् 2074 के अवसर पर शुभकामनायें प्रदान की गई।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि समय की मांग है कि आंतकवादियों व उनके सरंक्षकों को सख्ती से कुचला जाये, आंतकवाद पूरी मानवता के लिये खतरा है तथा जम्मू कश्मीर से धारा 370 अविलम्ब समाप्त कर उसे देश की मुख्य धारा के साथ जोड़ा जाये तथा वहां पर सेना को खुली छूट दी जाये, देश की रक्षा की कीमत पर कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर रोश जताया की आज भी अनेकों आंतकवादी जेलों में बन्द हैं तथा देश पर बोझ बने हुए हैं उन सब को अविलम्ब फांसी दी जाये। आज देश का करोड़ों रूपया इनकी सुरक्षा पर खर्च हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश में कहीं पर पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाये जाते है और कहीं तिरंगा जलाया जाता है ऐसे लोगों से सरकार को कठोरता से निपटना चाहिये। जे.एन.यू व रामजस कालेज की घटनायें पूरे राष्ट्र व शिक्षा प्रणाली के लिये प्रश्न चिन्ह है।

दिल्ली विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष डा.योगानन्द शास्त्री ने क्रांतिकारियों की घटनायें सुना कर प्रेरित किया। अमृतसर से पधारे पं.दिनेश पथिक ने देश भक्ति पूर्ण गीतों से समां बाध दिया। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि जब तक देश में एक समान आचार सहिंता लागू नहीं होगी तब तक समस्या का हल नहीं होगा। परिषद् के मन्त्री श्री प्रवीन आर्य ने शहीदों के जीवन चरित्र को पाठय पुस्तकों में समुचित स्थान देने की मांग की। आचार्य महेन्द्र भाई ने कुशल संचालन किया। आचार्य वीरेन्द्र विक्रम, डा.नरेन्द्र वेदालंकार, प्रि.अनिता चोपड़ा, जगदीश मलिक, रविन्द्र मेहता, हरिचन्द आर्य, देवदत आर्य, अमरनाथ बत्रा, जगदीशशरण आर्य, आचार्य सतीश सत्यम, भोपालसिंह आर्य, ऋषिपाल खोखर, रामपाल आर्य, विनोद कालरा, विश्वनाथ आर्य, यशोवीर आर्य, ओमबीर आर्य, वैशाली (सहारनपुर), सुषमा शर्मा, रामकुमार आर्य, वेदप्रकाश आर्य, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, सुरेश आर्य, कै.अशोक गुलाटी, अनिल हाण्डा, ओमप्रकाश पाण्डेय, महावीरसिंह आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री, संजय सपरा, रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड़, राजस्थान) आदि ने भी अपने विचार रखे। प्रधान मन्त्री व केन्द्रीय गृहमन्त्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया।

रोहतक में महात्मा प्रभु आश्रित अर्धनिर्वाण शताब्दी समारोह सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 19 मार्च 2017, वैदिक भक्ति साधन आश्रम, आर्य नगर,रोहतक में प्रधान श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री के नेतृत्व में महात्मा प्रभु आश्रित अर्ध निर्वाण शताब्दी समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। चित्र में डा. अनिल आर्य का अभिनन्दन करते प्रधान श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री,श्री योगराज अरोड़ा,विजय आर्य,सुशील भाटिया(चण्डीगढ़) आदि। द्वितीय चित्र–श्री दीपचन्द आर्य(बिजनौर) का अभिनन्दन करते श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री व योगराज अरोड़ा आदि। स्वामी विवेकानन्द जी(रोजड़,गुजरात),आचार्य नरेन्द्र मैत्रेय,आचार्य वागीश जी,स्वामी चितेश्वरानन्द जी सरस्वती,आचार्या नन्दिता शास्त्री के प्रवचन हुए व पं.सत्यपाल पथिक(अमृतसर) के मधुर भजन हुए। मंत्री श्री वेदप्रकाश आर्य ने संचालन किया। श्री वेदप्रकाश मिगलानी,महात्मा शशि मुनि,जगदीश मुनि जी,बलराज खुराना ने व्यवस्था सम्भाली। दिल्ली से केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की बस भर कर गयी। महामंत्री महेन्द्र भाई,ओमवीर सिंह,विश्वनाथ आर्य,धर्मपाल आर्य,सौरभ गुप्ता,अरूण आर्य,शिवम मिश्रा,माधव सिंह,सुरेश आर्य, वरूण आर्य आदि विद्यमान थे।

मुख्यमन्त्री के रूप में योगी आदित्यनाथ

– अवधेश कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रुप में योगी आदित्यनाथ के चयन पर बहुत सारे लोग अचंभित हैं। उनको लगता है कि नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने यह क्या कर दिया! इसमें उनके समर्थक भी शामिल हैं। वे कह रहे हैं कि कहां सबका साथ और सबका विकास और कहां योगी आदित्यनाथ। हमारी समस्या है कि हम कई बार तथ्यों से ज्यादा निर्मित धारणाओं पर विचार करते हैं। एक व्यक्ति जो भगवावस्त्रधारी संन्यासी है, जो हिन्दुत्व पर खुलकर बोलता है वह अच्छा मुख्यमंत्री नहीं हो सकता, वह कुशल प्रशासक नहीं हो सकता, वह सबको साथ लेकर नहीं चल सकता....ऐसी हमारी धारणा बनी हुई है। यह सच नहीं है। नरेन्द्र मोदी सरकार की आप चाहे जितनी आलोचना कर लीजिए लेकिन उसके बारे में यह सच कोई नकार नहीं सकता कि अभी तक उसने ऐसा कोई काम नहीं किया है जिसे मुस्लिम विरोधी कहा जा सके। तो विरोधियों और आलोचकों की तमाम आशंकाओं के बावजूद करीब तीन साल में जिस प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोई मुस्लिम विरोधी कदम नहीं उठा उसके मार्गदर्शन में चलने वाली किसी प्रदेश सरकार में ऐसा हो जाएगा यह निष्कर्ष हम किस आधार पर निकाल रहे हैं? केवल बनी बनाई धारणाओं के आधार पर। कोई भगवाधारी है तो वह अच्छा प्रशासक नहीं हो सकता ऐसा सोचना भी सही नहीं है। कोई निष्कर्ष निकालने के पहले हमें योगी को कुछ समय काम करने देना चाहिए। थोड़ा धैर्य रखिए, उनको काम करने दीजिए और फिर उसके आधार पर मूल्यांकन करिए।

योगी के बयानों को जरुर विवादित बनाया गया, लेकिन वो संगठन के अंदर और समर्थकों के बीच एक लोकप्रिय नेता हैं। उनके मुख्यमंत्री बनने के साथ जिस तरह भाजपा और संघ परिवार के समर्थकों ने जश्न मनाया है यह उसका प्रमाण है। हम यहां कुछ बातें शायद भूल रहे हैं। जब नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री बने तो वे विधायक भी नहीं थे। मुख्यमंत्री बनने के पहले वे विधानसभा में भी कभी नहीं गए थे। उनका संघ और पार्टी के काम करने का अनुभव तो था लेकिन किसी तरह का जन प्रतिनिधि या प्रशासन का अनुभव नहीं था। उन्होंने अपने को साबित किया और गुजरात मॉडल लोगों के सिर चढ़कर इस तरह बोला कि उसके आधार पर वे देश के प्रधानमंत्री हो गए। योगी आदित्यनाथ तो पांच बार सांसद निर्वाचित हो चुके हैं। अपने 45 वर्ष की उम्र में पांच बार लोकसभा चुनाव जीतना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। दूसरे, संसद में उनकी उपलब्धियां अनेक सांसदों से बेहतर है। उनकी उपस्थिति 77 प्रतिशत तथा प्रश्न पूछने एवं मुद्दे उठाने के मामले में उनको प्रथम श्रेणी का सांसद माना जाता है। उनकी छवि के विपरीत संसद में उनका व्यवहार बिल्कुल नियमों के तहत भूमिका निभाने वाले सांसद की है। वे कभी वेल में नहीं जाते। कभी किसी सभापति ने न उनके किसी शब्द को असंसदीय कहकर निकाला न ही उनके विरुद्ध कोई प्रतिकूल टिप्पणी की। तो उनका एक यह भी रुप है जिसकी ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। यह भी न भूलिए कि उत्तर प्रदेश चुनाव में स्टार प्रचारक के रुप में योगी ने काफी सभाएं कीं लेकिन चुनाव आयोग को उनकी कोई पंक्ति आपत्तिजनक या आचार संहिता का उल्लंघन करने वाला नहीं दिखा। जहां तक कट्टरता का आरोप है तो नरेन्द्र मोदी से ज्यादा कट्टर की छवि तो किसी को मिली ही नहीं थी। 2002 के बाद से लगातार उनके विरुद्ध अभियान चला और उन्हें घोर सांप्रदायिक एवं मुस्लिम विरोधी नेता बनाकर प्रचारित किया जाता रहा। आज वो देश के प्रधानमंत्री हैं और इन आधारों पर आलोचना करने वाले अनेक लोग उनके समर्थक भी हो चुके हैं। एक समय लालकृष्ण आडवाणी की भी कट्टर हिन्दुत्व वाले नेता की छवि थी। तो छवियां कई बार हम बना लेते हैं। एक सांसद के रुप में उनका कैसा काम है यह तो कोई उनके क्षेत्र में जाकर ही देख सकता है। बिना काम किए हुए ही तो जनता उन्हें लगातार निर्वाचित नहीं कर रही है।

इसमें दो राय नहीं कि भाजपा ने योगी आदित्यनाथ को देश के सबसे बड़े तथा सांप्रदायिक रुप से संवेदनशील प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर कुछ स्पष्ट संदेश दिया है। वैसे तो भाजपा के ज्यादातर नेता हिन्दुत्व में आस्था रखते होंगे, किंतु योगी आदित्यनाथ हिन्दुत्व के मुखर और आक्रामक आवाज हैं। तो इनको मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि हिन्दुत्व और विकास के बीच समन्वय और संतुलन बनाकर चलना होगा। यानी हम देश को आधुनिक बनाना चाहते हैं, विकास के पथ पर देश को सरपट दौड़ाना चाहते हैं, पर अपने परंपरागत सिद्धांतों से भी परे नहीं जाने वाले। भाजपा नेता इसके द्वारा यह कहना चाहते हैं कि परंपरागत विचारधारा और विकास दोनों के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। जरा भाजपा के इस फैसले पर भाजपा की दृष्टि से विचार करिए। भाजपा की दृष्टि से विचार करेंगे तो यह फैसला सहज और स्वाभाविक लगेगा। भाजपा अपनी यह छवि तो निर्मित कर रही है कि वह शासन करने वाली पार्टी है यानी उसको शासन करना आता है, लेकिन वह यह भी मानती है कि हिन्दुत्व उसको वोट दिलाने का एक प्रमुख आधार है। उनके सामने 2019 का लोकसभा चुनाव है और उस दृष्टि से यह फैसला अनुकूल है। 2014 में भाजपा की विजय के बारे में यह सोच भी सही नहीं है कि केवल विकास के नारे ने उसे बहुमत के आंकड़े से भी आगे कर दिया। नरेन्द्र मोदी की आक्रामक हिन्दुत्व और प्रखर राष्ट्रवादी की छवि की उसमें बड़ी भूमिका थी। जो लोग इसे नहीं समझ पाते वही भाजपा के बारे में कुछ भ्रांत धारणाएं बना लेते हैं और उनको ही योगी के मुख्यमंत्री बनने पर अचंभा हो रहा है। क्या उत्तर प्रदेश का चुनाव परिणाम केवल जातीय समीकरणों और विकास के मुद्दों से निकला है? इन सबकी भूमिका थी लेकिन इतना बड़ा बहुमत केवल जातीय समीकरणों और विकास से नहीं आ सकता। वास्तव में इनके साथ अंतर्धारा के रुप में हिन्दुत्व विद्यमान था। भाजपा के संकल्प पत्र को देख लीजिए। सरकार गठित होते ही बूचड़खानों को बंद करने तथा एंटी रोमियो स्क्वैड बनाना क्या है? राम जन्मभूमि के निर्माण के लिए कानूनी और संवैधानिक रास्ता आसान करना क्या है? हिन्दुत्व ही तो है। पहले चरण के चुनाव में भाजपा को सबसे ज्यादा सीटें मिलना आखिर किस बात का परिचायक था?

निस्संदेह, योगी को अपनी काबिलियत साबित करनी होगी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास की नीति को आगे बढ़ाएंगे। उनका दो ही एजेण्डा है–सुशासन और विकास। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर होगा। यह एक संतुलित वक्तव्य है। उत्तर प्रदेश को इन दोनों की जरुरत है तथा योगी को इसे साकार करके दिखाना होगा। उत्तर प्रदेश विकास के मामले में फिसड्डी है तथा कानून व्यवस्था वहां की प्रमुख समस्या है। अखिलेश यादव के शासनकाल में सांप्रदायिक दंगों का रिकॉर्ड बना। महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी है। भाजपा लंबे समय से अपने सुशासन की व्याख्या करती रही है। संक्षेप में दंगामुक्त, भयमुक्त, भूखमुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त..... शासन का मतलब उनकी दृष्टि से सुशासन है। अगर योगी इसे सुनिश्चित करते हैं कि प्रदेश में कोई सांप्रदायिक दंगा न हो, अगर वे समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को भय और भूख से मुक्त करने का चमत्कार कर देते हैं, महिलाओं के अंदर सुरक्षा का भाव पैदा करते हैं तथा भ्रष्टाचार पर मर्मांतक चोट करते हैं तो उत्तर प्रदेश वाकई एक बेहतर प्रदेश हो जाएगा। इससे जो भी जनादेश उसे मिला है उसका और सुदृढ़िकरण होगा। इन सबके साथ ही वे हिन्दुत्व के एजेंडा पर चल सकते हैं। तो योगी के सामने अपनी ही कसौटी पर अपने को साबित करने की चुनौती है। उम्मीद करनी चाहिए कि वे इस पर खरा उतरेंगे। इसी में उत्तर प्रदेश तथा देश का हित है।

–ई.: 30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली:110092,
दूर.:01122483408, 9811027208

वर चाहिये

अरोड़ा परिवार की सुन्दर,सुशील कन्या कद 5'2'',प्राईवेट नौकरी, अच्छा वेतन, आयु 32 वर्ष के लिये योग्य वर की आवश्यकता है, सम्पर्क:– अखिल थरेजा – 9810700599.

परोपकारिणी सभा के प्रधान स्व. डॉ. धर्मवीर के प्रति

श्रद्धांजलि

तर्ज-है प्रीत जहां की रीत सदा.....

ऋषिराज दयानन्द के सपने साकार बनाकर चले गये।
सबके प्रिय डाक्ट्टर धर्मवीर इतिहास रचा कर चले गये।
ऋषिराज दयानन्द के सपने साकार.....।

सब सज्जन पुरुष खुले दिल से इक बात हमेशा कहते हैं,
शुभ कर्मशील इंसान सदा दुनिया के दिलों में रहते हैं,
सूरज की तरह दिखने वाले आलोक फैला कर चले गये,
सबके प्रिय डाक्टर धर्मवीर इतिहास रचा कर चले गये,
ऋषिराज दयानन्द के सपने साकार.....।

उपकार भावना से सबको सन्मार्ग दिखाते देना है,
उलझे मत वाले लोगों की उलझन सुलझाते देखा है,
बदसूरत चेहरे वालों को दर्पण दिखलाकर चले गये,
सबके प्रिय डाक्टर धर्मवीर इतिहास रचा कर चले गये,
ऋषिराज दयानन्द के सपने साकार.....।

गंभीर सरल उपदेशों से हर दिल को लुभाया करते थे,
नस-नस में उतर जाने वाले सन्देश सुनाया करते थे,
उस वैदिक जीवन शैली को घर-घर पहुंचा कर चले गये,
सबके प्रिय डाक्टर धर्मवीर इतिहास रचा कर चले गये,
ऋषिराज दयानन्द के सपने साकार.....।

कब कौन सा पत्ता पीपल को पतझड़ की नमस्ते कह जाये।
संसार वृक्ष चुपचाप खड़ा हाथों को मसलता रह जाये।
क्या कहें ''पथिक'' सबके दिल में जिन प्यार बसाकर चले गये,
सबके प्रिय डाक्टर धर्मवीर इतिहास रचाकर चले गये।
ऋषिराज दयानन्द के सपने साकार.....।

-सत्यपाल ''पथिक''

70 ए, गोकुल नगर, मजीठा रोड, अमृतसर-143001, मो.09815260605

अभावों के बावजूद हम रहते हैं न. 1, यानि सबसे आगे
जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

(1) केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

शिक्षाविद् डा.अमिता चौहान व डा.अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में
उद्घाटन समारोहः शनिवार, 10 जून 2017, सायं 5 बजे से 7 बजे तक
समापन समारोहः रविवार, 18 जून 2017, प्रातः 11 बजे से 1.30 बजे तक
स्थानः ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल,सैक्टर–44, नोएडा,उतर प्रदेश

ध्यान दें–सभी शिविरार्थी शिविर स्थल पर शनिवार, 10 जून को दोपहर 1 बजे तक रिपोर्ट करेंगे तथा अपना स्थान शुक्रवार 2 जून 2017 तक प्रवेश पत्र व शुल्क जमा करवा कर सुरक्षित करवा लेगे। शनिवार, 3 जून को कार्यालय आर्य समाज कबीर बस्ती,पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली से प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता से अपना ''परिचय पत्र'' प्राप्त कर लेगें कृपया अपनी दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेते आयें । इसके बाद शिविर में प्रवेश नहीं दिया जायेगा ।

दानी महानुभावों से अपील है कि युवा निर्माण में तन,मन,धन से सहयोग प्रदान करें । निरन्तर चलने वाले आवासिये शिविरों के लिये आटा,दाल,चावल,चीनी,सब्जी,मसाले,रिफाईण्ड,घी आदि से सहयोग करें व अन्यों से करवायें । आर्य समाज की युवा शक्ति को आशीर्वाद प्रदान करने हेतु शिविर उद्घाटन व समापन समारोह में सपरिवार पधारें।

दर्शनाभिलाषीः–

आनन्द चौहान	डा.अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य
शिविर संरक्षक	राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामन्त्री	कोषाध्यक्ष

(2) आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर दिल्ली

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में ''आर्य बालिका चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 21 मई से 28 मई 2017 तक आर्य समाज, सन्देश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 में लगेगा। इच्छुक बालिकायें सम्पर्क करें– उर्मिला आर्या, अध्यक्षा, फोनः 9711161843, अर्चना पुश्करना, महामंत्रीः 9899555280, अनिता कुमार, कोषाध्यक्षाः 9999699510.

(3) राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में ''युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 4 जून से 11 जून 2017 तक डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड़, बहरोड़, जिला–अलवर, राजस्थान में लगेगा। सम्पर्कः रामकृष्ण शास्त्री, प्रान्तीय अध्यक्ष–9461405709

(4) फरीदाबाद युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 4 जून से 11 जून 2017 तक श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–87, ग्रेटर फरीदाबाद, हरियाणा में लगेगा। सम्पर्कः जितेन्द्रसिंह आर्य, जिला अध्यक्ष, 9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य, जिला महामंत्रीः 9350615369. सतपाल रहेजा, कोषाध्यक्षः 9910345690.

(5) फरीदाबाद आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 28 मई से 2 जून 2017 तक आर्य कन्या सदन, सैक्टर–15, फरीदाबाद, हरियाणा में लगेगा। सम्पर्कः श्री पी.के. मितलः 9818798217

(6) मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में ''प्रान्तीय युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 31 मई से 4 जून 2017 तक नूतन हायर सैकण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्य प्रदेश में लगेगा। सम्पर्कः आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार, प्रान्तीय अध्यक्षः 9977987777, विजय राठौर, शिविर संयोजकः 9826478295

(7) जम्मू कश्मीर प्रान्तीय आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में ''प्रान्तीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 26 जून से 2 जुलाई 2017 तक आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू में लगेगा। सम्पर्कः सुभाश बब्बर, प्रान्तीय अध्यक्षः 9419301915, रमेश खजुरिया, प्रान्तीय महामंत्रीः 9797384053.

(8) हापुड़ आर्य कन्या शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् व आर्य समाज हापुड़ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 23 मई से 30 मई 2017 तक आर्य कन्या शिविर आर्य कन्या इन्टर कालेज, स्वर्ग आश्रम रोड़, हापुड़ में लगेगा। सम्पर्कः आनन्दप्रकाश आर्य, प्रान्तीय अध्यक्षः 9837086799

(9)कण्वाश्रम कोटद्वार योग–आयुर्वेद शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उतराखंड के तत्वावधान में ''योग साधना व आयुर्वेद शिविर'' दिनांक 3 अप्रैल से 9 अप्रैल 2017 तक गुरूकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल में लगेगा। सम्पर्कः योगीराज ब्र. विश्वपाल जयन्त, प्रान्तीय अध्यक्षः 9837162511

(10) उड़ीसा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उड़ीसा के तत्वावधान में ''प्रान्तीय आर्य युवक शिविर'' दिनांक 29 अप्रैल से 5 मई 2017 तक वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा में लगेगा। सम्पर्कः आचार्य धनेश्वर बेहरा, प्रान्तीय अध्यक्षः9337117429

(11) पलवल युवक चरित्र निर्माण शिविर

आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में ''युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 12 जून से 18 जून 2017 तक दयानन्द उच्च विद्यालय, पातली गेट, पलवल, हरियाणा में लगेगा। सम्पर्कः स्वामी श्रद्धानन्द जीः 9416267482, दिनेश आर्य, जिला अध्यक्षः 9813289555.

(12) जयपुर युवक चरित्र निर्माण शिविर

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में ''युवक निर्माण शिविर'' दिनांक 19 जून से 25 जून 2017 तक संस्कार भवन, जी. एल. सैनी, नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड़, केसर नगर चौराहा, जयपुर, राजस्थान में लगेगा। सम्पर्कः यशपाल यश, शिविराध्यक्षः 9414360248, डा. प्रमोदपाल, शिविर संयोजकः 9828014018

(13) झारखण्ड योग साधना शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् झारखण्ड के तत्वावधान में आचार्य सन्दीप जी (सोनीपत) के सान्निध्य में योग साधना शिविर रविवार, 21 मई से 28 मई 2017 तक आर्श कन्या गुरूकुल, आर्य समाज, हजारीबाग में लगेगा। सम्पर्कः आचार्य कृष्णदेव कोटिल्य, प्रान्तीय अध्यक्षः 9430309525, 7277437245.

(14) कैथल युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् कैथल के तत्वावधान में स्वामी बलेश्वरानन्द जी के सान्निध्य में रविवार, 28 मई से 4 जून 2017 तक गुरू ब्रह्मानन्द आश्रम, बणी ,पुण्डरी, कैथल में लगेगा। सम्पर्कः आचार्य राजेश्वर मुनिः 9896960064.

आर्य विद्वान का मकान बिकने से बचायें

आचार्य बदरीप्रसाद शास्त्री (रोहतक) में आर्य समाज के अच्छे कर्मठ कार्यकर्ता हैं, कुछ घरेलु परेशानियों, बिमारियों के कारण ऋण लेना पड़ा, 8 लाख रू का कर्ज हो गया, जिसको चुका न पाने के कारण रोहतक कोर्ट ने मकान कुर्की का आदेश दे दिया है। अतः आपसे अनुरोध है कि आर्य प्रचारक का मकान बिकने से बचाये व अपनी सहायता भेजें– सम्पर्कः बदरी प्रसाद, खाता स. 830201011001856, विजया बैंक, नारायण कम्पलेक्स, सिविल रोड़, रोहतक, हरियाणा, फोनः 9818295176, 8053689071

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. आर्य संन्यासी स्वामी वरूणवेश जी (मेरठ) का निधन।
2. श्रीमती कृष्णावती सेठी (धर्मपत्नि स्व.श्री मुन्शीराम सेठी, फरन्टीयर बिस्कृट) का निधन।
3. श्री सी.पी.खन्ना (आर्य समाज, कालकाजी) का निधन।
4. श्रीमती चन्द्रकांता आर्या (प्रधाना, आर्य समाज, महावीर नगर) का निधन।
5. श्री सोमनाथ कपूर (आर्य समाज, लाजपत नगर) का निधन।
6. श्रीमती कैलाश तिवारी (माता श्री कंवल तिवारी, अशोक विहार) का निधन।
7. श्रीमती पदमा भाटिया (बहिन श्री रमेश गाडी, प्रधाान, आर्य समाज कालकाजी) का निधन।

आर्य समाज,सोहन गंज व पंचदीप का वार्षिक उत्सव सोल्लास सम्पन्न

दोष पूर्ण शिक्षा नीति में आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता – डा.अनिल आर्य

रविवार, 26 मार्च 2017,उतरी दिल्ली की प्रतिष्ठित आर्य समाज,सोहन गंज का वार्षिक उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डा.अनिल आर्य ने कहा कि युवा शक्ति में देश के विरूद्वभावना का पनपना, यह पूरी शिक्षा प्रणाली के लिये चुनौती है,इस दोषपूर्ण शिक्षा नीति में आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। चित्र में डा.अनिल आर्य का अभिनन्दन करते समाज के प्रधान श्री नेत्रपाल आर्य,संरक्षक प्रेमसागर गुप्ता,उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री ओम सपरा व सुधीर घई। द्वितीय चित्र–शनिवार, 18 मार्च 2017,आर्य समाज,पंचदीप,पीतमपुरा,दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। पं.विजय भूषण आर्य के मधुर भजन हुए। चित्र में–विधायक श्री जितेन्द्र तोमर को सत्यार्थ प्रकाश भेंट करते डा.अनिल आर्य,प्रधान आनन्दप्रकाश गुप्ता,मित्रसेन आर्य,युवा विद्वान विकास तिवारी आदि।

सार्वदेशिक सभा में नवसम्वत् पर गोष्ठी व कबीर बस्ती में राजेश्वर मुनि का स्वागत

29 मार्च 2017, सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में दयानन्द भवन,नई दिल्ली में नवसम्वत् व आर्य समाज,स्थापना दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री मायाप्रकाश त्यागी,आचार्य भद्रकाम वर्णी,डा.अनिल आर्य,महेन्द्र भाई,गायत्री मीना,ऋषिपाल शास्त्री,डा.रविकांत,स्वामी सोम्यानन्द जी आदि ने अपने विचार रखे। द्वितीय चित्र–रविवार, 26 मार्च 2017 को कैथल से आचार्य राजेश्वर मुनि कबीर बस्ती कार्यालय पधारे ओर व्यवस्था परिवर्तन पर चर्चा की। परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य उनका अभिनन्दन करते हुए,साथ में विवेक अग्निहोत्री,वरूण आर्य।

युवा कार्यकर्ता निखिल थरेजा व माधव सिंह का अभिनन्दन

नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी के निवास पर आयोजित दयानन्द दशमी के अवसर पर श्री निखिल थरेजा स्वामी दयानन्द का चित्र प्राप्त करते हुए,साथ में अखिल,चन्द्रभान अरोड़ा व डा.अनिल आर्य । द्वितीय चित्र–कर्मठ कार्यकर्ता श्री माधव सिंह के अभिनन्दन का द्रश्य,साथ में सांसद मीनाक्षी लेखी,डा.अनिल आर्य,मनोज मान,सौरभ गुप्ता,राकेश आर्य आदि।

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का शिविर

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का वार्षिक शिविर साध्वी डा. उतमायति जी के सान्निध्य में भगवती आर्ष कन्या गुरूकुल महाविद्यालय रेवाड़ी, हरियाणा में दिनांक 28 मई से 4 जून 2017 तक लगेगा। सम्पर्कः–मृदुला चौहान, संचालिकाः 9810702760, आरती खुराना, सचिवः 9910234595

सुखबीर सिंह वर्मा प्रधान निर्वाचित

उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा का द्विवार्षिक निर्वाचन श्री प्रेमप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, देहरादून में सम्पन्न हुआ। निर्वाचन में सर्वसम्मति से प्रधान श्री सुखबीर सिंह वर्मा, मंत्री श्री दिनेश कुमार आर्य, कोषाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश मलिक, उपकोषाध्यक्ष–जितेन्द्रसिंह तोमर, पुस्तकालयाध्यक्ष–श्री एस.पी. सिंह चौहान, सहपुस्तकालयाध्यक्ष–हरपाल सिंह चुने गये। आर्य नेता गोबिन्दसिंह भण्डारी श्रीमती इन्दुबाला सिंह, मधुरप्रकाश आर्य (दिल्ली), दयाकृष्ण काण्डपाल, वीरेन्द्र पंवार, हाकिम सिंह ने भी सम्बोधित किया। नव निर्वाचित अधिकारियों को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से हार्दिक बधाई।

आर्य समाज, सुन्दर विहार का उत्सव

पश्चिमी दिल्ली की प्रमुख आर्य समाज, सुन्दर विहार का वार्षिक उत्सव दिनांक 14 अप्रैल से 16 अप्रैल 2017 तक मनाया जा रहा है, डा.धर्मेन्द्र शास्त्री के प्रवचन व अंकित उपाध्याय के भजन होंगे। रविवार 16 अप्रैल को प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक समापन कार्यकम चलेगा। – **अमरनाथ बत्रा,मन्त्री**

प्रकाशनादि का विवरण फार्म-4

1. प्रकाशन स्थान	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
2. प्रकाशन अवधि	:	पाक्षिक
3. मुद्रक व प्रकाशक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
4. सम्पादक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
5. उन व्यक्तियों के नाम, पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के हिस्सेदार हों।	:	केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजी.), दिल्ली

मैं अनिल कुमार आर्य एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 01-4-2017 **अनिल कुमार आर्य,** प्रकाशक

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970